समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

वैश्विक दबाव और ट्रंप टैरिफ असर से भारतीय शेयर बाजार मे गिरावट, निफ्टी-सेसेंक्स अक्टूबर की शुरुआत मे लाल निशान पर

Publisher

Published on 03 Oct 2025

भारतीय शेयर बाजार ने अक्टूबर महीने की शुरुआत निराशाजनक अंदाज में की है। गुरुवार, 3 अक्टूबर 2025 को बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी 50 और बीएसई सेंसेक्स भारी दबाव में रहे। दिनभर के कारोबार के दौरान निवेशकों की धारणा पर वैश्विक बाजारों की कमजोरी और अमेरिका की नई आर्थिक नीतियों का असर साफ नजर आया। खासतौर पर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित नए टैरिफ ने वैश्विक निवेशकों की चिंता और बढ़ा दी।

दालाल स्ट्रीट में सुबह से ही बिकवाली का दबाव देखा गया। घरेलू निवेशकों के साथ-साथ विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भी सतर्क रुख अपनाया। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में मामूली बढ़त के साथ खुला, लेकिन जल्द ही इसमें कमजोरी दिखने लगी। कारोबार के अंत तक सेंसेक्स लाल निशान में बंद हुआ। निफ्टी 50 में भी गिरावट दर्ज की गई और कई अहम सेक्टर दबाव में रहे।

विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार पर सबसे ज्यादा असर अमेरिका की नीतियों का पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने एशियाई देशों से आयातित वस्तुओं पर नए टैरिफ लागू करने की घोषणा की है। इसका सीधा असर भारतीय कंपनियों और निर्यातकों पर पड़ सकता है। निवेशकों को डर है कि इससे वैश्विक व्यापार संतुलन बिगड़ जाएगा और भारत समेत उभरते बाजारों में निवेश की धारणा कमजोर होगी।

भारतीय बाजार की सुस्ती में वैश्विक कारक ही नहीं, बल्कि घरेलू मोर्चे पर भी कुछ चुनौतियां मौजूद हैं। महंगाई दर को लेकर चिंता अब भी बनी हुई है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति की अगली समीक्षा से पहले निवेशक सतर्क हैं। वहीं कच्चे तेल की कीमतों में हल्की तेजी ने भी निवेशकों की चिंताओं को बढ़ाया है। डॉलर के मुकाबले रुपये में आई कमजोरी ने भी विदेशी निवेश के प्रवाह को प्रभावित किया।

आईटी, मेटल और ऑटो सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा दबाव देखने को मिला। मेटल कंपनियों के शेयर अंतरराष्ट्रीय व्यापार

नीति में बदलाव की खबर से कमजोर पड़े। आईटी सेक्टर की कंपनियों पर अमेरिकी बाजारों में मांग घटने की आशंका का असर हुआ। बैंकिंग शेयरों में भी हल्की गिरावट देखने को मिली, हालांकि कुछ चुनिंदा शेयरों में खरीदारी बनी रही जिसने बाजार को और गहराई में जाने से बचाया।

निवेशकों का मानना है कि आने वाले दिनों में बाजार में अस्थिरता बनी रह सकती है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार संबंधों को लेकर एक बार फिर तनाव बढ़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप का नया टैरिफ पैकेज वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित कर सकता है। यदि यह स्थिति लंबी चली तो भारतीय बाजार पर और दबाव बढ़ सकता है।

सकारात्मक पहलू यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अभी भी लंबी अवधि के नजरिए से मजबूती की स्थिति में है। सरकार द्वारा बुनियादी ढांचा और विनिर्माण क्षेत्र में किए जा रहे निवेश भविष्य के लिए बेहतर संकेत देते हैं। हालांकि अल्पकालिक रूप से वैश्विक कारक निवेशकों के लिए चुनौती बने रहेंगे।

विदेशी बाजारों की बात करें तो एशियाई शेयर बाजार भी दबाव में रहे। जापान, चीन और दक्षिण कोरिया के बाजारों में कमजोरी दर्ज की गई। यूरोपीय बाजार भी शुरुआती कारोबार में गिरावट के साथ खुले। अमेरिकी बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है और निवेशक ट्रंप प्रशासन की नई नीतियों को लेकर चिंतित हैं।

भारतीय खुदरा निवेशकों के बीच भी डर का माहौल दिखा। कई छोटे निवेशकों ने मुनाफा वसूली को तरजीह दी। वहीं बड़े निवेशक अभी इंतजार और नजर रखने की रणनीति अपनाए हुए हैं। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों को फिलहाल जल्दबाजी में कदम उठाने के बजाय दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

तकनीकी विश्लेषण के अनुसार, निफ्टी के लिए 19,400 का स्तर अहम सपोर्ट माना जा रहा है। यदि यह स्तर टूटता है तो और गिरावट देखने को मिल सकती है। वहीं सेंसेक्स के लिए 64,500 का स्तर एक प्रमुख समर्थन बिंदु है। यदि बाजार इन स्तरों से ऊपर टिके रहते हैं तो वापसी की संभावना बनी रह सकती है।

कुल मिलाकर, अक्टूबर के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार ने वैश्विक दबाव और घरेलू चुनौतियों के बीच कमजोर शुरुआत की है। निवेशकों को आने वाले दिनों में अमेरिका की आर्थिक नीतियों, डॉलर-रुपया उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल की कीमतों पर नजर रखनी होगी। यह भी तय है कि ट्रंप के टैरिफ फैसलों का असर केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया के बाजारों पर दिखाई देगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.